

‘नेशनल वाटर अवार्ड 2022’ में तीसरे स्थान पर रहा बहार

चर्चा में क्यों?

23 मई, 2023 को केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय द्वारा नेशनल वाटर अवार्ड्स 2022 में सर्वोत्तम राज्य की श्रेणी में बहार को देश में तीसरे स्थान पर रखा गया है।

प्रमुख बटु

- बहार सरकार द्वारा जल संरक्षण एवं जल संसाधनों के प्रबंधन के क्षेत्र में किये गए उत्तम कार्यों एवं प्रयासों को इस पुरस्कार के जरिये राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है।
- जल संसाधन तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री संजय कुमार झा ने कहा कि जल और हरियाली का संरक्षण एवं संवर्धन के लिये ‘जल-जीवन-हरियाली अभियान’ शुरू किया गया है। इस अभियान को संयुक्त राष्ट्र में भी सराहा गया है।
- सात नश्चय दो में घोषित अतमिहत्त्वाकांक्षी कार्यक्रम को धरातल पर उतारने के लिये तत्परता से कार्य किये जा रहे हैं।
- सात नश्चय दो में घोषित अतमिहत्त्वाकांक्षी कार्यक्रमों के अंतर्गत होने वाले कार्य:
 - **गरौल वीयर सचिाई योजना, दरभंगा-** यह पुरानी कमला नदी पर वीयर सचिाई योजना है, जिसमें हेड रेगुलेटर के माध्यम से सचिाई सुवधा मली है।
 - **जैतपुरा पंप नहर योजना, भुआ-** इसके माध्यम से कर्मनाशा नदी के जलस्राव को वभिन्न प्रखंडों में सचिाई सुवधा के लिये उपलब्ध कराई जाएगी।
 - गया ज़िले के बोधगया प्रखंड में मोहाने नदी पर बतसपुर वीयर का नरिमाण एवं मोराटाल पईन से नसिसृत वतिरण प्रणालियों का आधुनकीकरण कार्य।
 - **उदेरास्थान बराज योजना, बहारशरीफ-** यह एक वृहद सचिाई योजना है, जिससे जहानाबाद एवं गया ज़िले के कई प्रखंडों में सचिाई क्षमता वकिसति हुई है।
 - **बहिल वीयर सचिाई योजना, मधुबनी-** लक्ष्मीपुर ग्राम के नकित बहिल नदी पर गेटेड वीयर, उसके अपस्ट्रीम में दाई एवं बायीं तरफ एफलक्स बांध तथा डाउनस्ट्रीम में दोनों तरफ गाइड बांध का नरिमाण एवं सुरक्षात्मक कार्य होने हैं। इसमें दाईं मुख्य नहर से नसिसृत नहर प्रणाली की कुल लंबाई 3.35 कमी. है तथा बाईं मुख्य नहर से नसिसृत नहर प्रणाली की लंबाई 6.33 कमी. है।
 - **मलई बराज योजना** के अंतर्गत रोहतास ज़िले के दावथ प्रखंड में कौद नदी पर बराज का नरिमाण कर लकि नहर के माध्यम से बकसर ज़िले में सचिाई सुवधा उपलब्ध कराई जाएगी।
 - **बलवाघाट बराज-सह-सचिाई योजना, मधुबनी-** बलवा ग्राम के पास धौंस नदी पर आधारित इस सचिाई योजना में दो हेड रेगुलेटर (दायाँ एवं बायाँ) के अलावा जर्जर पड़ी उपवतिरणी का जीरणोद्धार कार्य (9.27 कमी.) और दाईं तरफ मौजूद पईन के रूपांकित जलस्राव के अनुरूप पुनरस्थापन कार्य (13.36 कमी.) किया गया है।
- वदिति है कि पहला राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2018 में जल शक्ति मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था।
- राष्ट्रीय जल पुरस्कारों ने जल संसाधन को लेकर सटारट-अप के साथ-साथ अग्रणी संगठनों को नीत-नरिमाताओं के साथ जुड़ने और वचिार-वमिरश करने का बेहतर अवसर प्रदान किया है कि कैसे बेहतर तरीके से जल संसाधन प्रबंधन के नए और सही तरीकों को अपनाया जाए।
- इस बार मध्य प्रदेश ने सर्वश्रेष्ठ राज्य श्रेणी में शीर्ष स्थान हासिल किया है। इसके बाद ओडशा ने दूसरा स्थान जबकि आंध्र प्रदेश और बहार को तीसरे स्थान के लिये संयुक्त वजिता घोषित किया गया है।



PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/bihar-ranked-3rd-in-national-water-award-2022>